विषय सूची

प्राक्कथन i-iii

भूमिका भारतीय इतिहास मीमांसा गोविन्दचन्द्र पाण्डे xv-xx

अध्याय-1

हर्षोत्तरकालीन उत्तरी भारत 1-18

ले. रामवृक्ष सिंह

उत्तरी भारत 1
- आसाम 1
- मगध 2
- कलचुरीवंश 3
- वलभी का मैत्रकवंश 4
- कश्मीर 5

अरबों की सिन्ध एवं मुल्तान विजय 6

मौखरी राजवंश की पुनर्स्थापना 9
- पूर्णवर्मा 14
- राजपुत्र शूरसेन 15
- भोगवर्मा 15

अध्याय-2

यशोवर्मा 19-39

ले. रामवृक्ष सिंह

यशोवर्मा की तिथि 23

विजय यात्रा 25

यशोवर्मपुर की स्थापना 29

ललितादित्य से युद्ध 29

यशोवर्मा की काव्यप्रियता 33

यशोवर्मा की मुद्राएँ 35

यशोवर्मा के उत्तराधिकारी 38

अध्याय-3

गुर्जर-प्रतिहार वंश 40-114

ले. रामवृक्ष सिंह

प्रतिहारों की उत्पत्ति 40
- विदेशी उत्पत्ति का सिद्धान्त 41
- आलोचना 41

गुर्जर प्रतिहार पद की व्याख्या 42
भारतीय उत्पत्ति का सिद्धान्त 45
कन्नौज का प्रतीहार वंश—नाग भट्ट प्रथम 47
अरबों का प्रतिरोध 47
राज्य विस्तार 48
राष्ट्रकूटों से संघर्ष 49
उत्तराधिकारी 50
वत्सराज (ल. 778-800 ई.) 51
सम्राट पद की प्राप्ति 53
गौड़ों से युद्ध 54
राष्ट्रकूटों से संघर्ष 55
नागभट्ट द्वितीय (ल. 800-833 ई.) 56
प्रारम्भिक कठिनाइयाँ 56
राष्ट्रकूटों के साथ संघर्ष 57
गोविन्द तृतीय का अभियान 57
कन्नौज विजय 59
धर्मपाल की पराजय 60
अन्य विजय 61
मृत्यु 62
रामचन्द्र (ल. 833-835 ई.) 63
भोज (ल. 835-885 ई.) 64
साम्राज्य का पुनर्गठन 65
पालों के साथ युद्ध 67
दक्षिणी-पश्चिमी सीमा का संगठन 67
राष्ट्रकूटों से संघर्ष 69
उत्तरी अभियान 70
साम्राज्य विस्तार 72
महेन्द्र पाल प्रथम (ल. 885-910 ई.) 72
पालों की पराजय 73
अन्य विजयें 74
सौराष्ट्र 74
पंजाब 76
मध्य भारत 76
साहित्य प्रेम एवं संरक्षण 76
महिपाल प्रथम (ल. 910-30 ई.) 83
दिग्विजय 83
पालों के साथ सम्बन्ध 85
सामन्तों के साथ सम्बन्ध 86

भोज द्वितीय (ल. 930-931 ई.) 89
विनायकपाल (ल. 931-944 ई.) 90
राष्ट्रकूट आक्रमण 91
सामन्तों के विद्रोह 91
मुद्राएँ 92
महेन्द्रपाल द्वितीय (ल. 944-47 ई.) 93
देवपाल (ल. 947-955 ई.) 93
चाहमानों के साथ सम्बन्ध 95
परमारों के साथ सम्बन्ध 96
गुहिलों के साथ सम्बन्ध 96
विजयपाल (प. 955-985 ई.) 99
साम्राज्य का विघटन 102
राज्यपाल (ल. 985-1019 ई.) 103
तुर्क-साही संघर्ष 103
महमूद के आक्रमण 104
कन्नौज पर आक्रमण 105
त्रिलोचनपाल (ल. 1019-1030 ई.) 107
प्रतीहारों के पतन के कारण 110

अध्याय-4

पाल राजवंश 115-139
ले. विशुद्धानन्द पाठक
पालवंश की उत्पत्ति 115
गोपाल (ल. 750-770 ई.) 117
धर्मपाल (ल. 770-810 ई.) 118
त्रिकोणात्मक संघर्ष का प्रारम्भ 119
धर्मपाल की दिग्विजय 120
राष्ट्रकूट-प्रतीहारों के पुनः आक्रमण 122
धर्मपाल की पराजय 124
धर्मपाल का महत्त्व 125
देवपाल (ल. 810-850 ई.) 126
पाल सत्ता का चरमोत्कर्ष 129
देवपाल के उत्तराधिकारी 130
राष्ट्रकूटों का दबाव 131
प्रथम महीपाल-सत्ता का पुनर्स्थापना 134
पाल सत्ता का ह्रास और अन्त 137

अध्याय-5

सेन राजवंश 140-157

ले. विशुद्धानन्द पाठक

सेन इतिहास की पृष्ठभूमि 140
सेनों की उत्पत्ति 141
प्रारम्भिक इतिहास 142
हेमन्त सेन 143
विजयसेन (ल. 1095-1158 ई.) 143
वल्लाल सेन (ल. 1159-1179 ई.) 147
लक्ष्मण सेन (ल. 1179-1205 ई.) 149
सांस्कृतिक उपलब्धियाँ 155
उत्तराधिकारी 157
सेनों की उपलब्धियाँ 157

अध्याय-6

गहड़वाल राजवंश 158-178

ले. जहूर खां मेहर

उत्पत्ति 158
प्रारम्भिक इतिहास 162
चन्द्रदेव 163
मदनपाल 164
गोविन्दचन्द्र 164
पूर्वी भारत पर विजय 165
चेदियों से संघर्ष 166
चन्देलों से संघर्ष 167
मालवा विजय 167
तुरुष्कों से संघर्ष 167
कूटनीतिक सम्बन्ध 170
विजयचन्द्र 172
जयचन्द्र 173
चौहान-गहड़वाल प्रतिद्वन्द्विता 174
चदावर युद्ध 176

अध्याय-7

जेजाकभुक्ति के चन्देल 179-201

ले. विशुद्धानन्द पाठक

चन्देलों की उत्पत्ति 179
प्रारम्भिक इतिहास 180

चन्देल सत्ता का उत्थान 182
यशोवर्मा (ल. 930-950 ई.) 184
विजयें 184
इतिहास में महत्त्व 186
धंगदेव (ल. 950-1002 ई.) 187
राज्य विस्तार 188
प्रभाव विस्तार 189
हम्मीर से तुलना 190
प्रशासन 191
गंड (ल. 1003-1017 ई.) 192
विद्याधर (ल. 1018-1029 ई.) 192
महमूद का आक्रमण 193
महमूद का दूसरा आक्रमण 195
विद्याधर का राजनीतिक प्रभाव 196
उत्तराधिकारी 197
कीर्तिवर्मा (ल. 1060-1100 ई.) 198
सल्लक्षण वर्मा 199
चन्देल सत्ता की अवनति और पतन 200

अध्याय-8

चहमान राजवंश 202-221
ले. जहूर खां मेहर

उत्पत्ति 202
विदेशी उत्पत्ति का सिद्धान्त 204
चौहान और ब्राह्मण जाति 205
चौहान और क्षत्रिय जाति 205
सपादलक्ष के चौहान 206
संक्षिप्त इतिहास 207
विग्रह राज चतुर्थ बीसलदेव 210
प्रतिशोधात्मक अभियान 211
अन्य अभियान 212
पृथ्वीराव द्वितीय 215
उत्तराधिकार का युद्ध 216
पृथ्वीराज और मुहम्मद गौरी 217
पृथ्वीराज की पराजय के कारण 218
उत्तराधिकारी 221

अध्याय-9

गुजरात के चालुक्य 222-241
ले. रामाश्रय अवस्थी

उत्पत्ति 223
विदेशी उत्पत्ति का सिद्धान्त 223
भारतीय उत्पत्ति का सिद्धान्त 224
मूलराज प्रथम (ल. 941-996 ई.) 225
चाहमान आक्रमण 225
लाट विजय 225
परमार संघर्ष 225
सुराष्ट्र और कच्छ की विजय 226
चामुण्डराज (ल. 977-1009 ई.) 226
वल्लभराज (ल. 1009 ई.) 227
दुलर्भराज (ल. 1009-1024 ई.) 227
भीम प्रथम (ल. 1024-1065 ई.) 227
महमूद का आक्रमण 227
सिन्ध विजय 228
आबू विजय 228
भीनमाल पर अधिकार 228
भोज परमार से सम्बन्ध 228
कर्ण से संघर्ष 229
कर्ण (ल. 1065-1093 ई.) 229
परमारों पर आक्रमण 229
चहमानों का आक्रमण 229
लाट पर अधिकार 230
गजनी पर अधिकार 230
जयसिंह सिद्धराज (ल. 1094-1142 ई.) 230
मालव विजय 230
सुराष्ट्र विजय 231
बर्बरक विजय 231
चहमानों से सम्बन्ध 231
सिन्धुराज पर विजय 232
अन्य राज्यों से सम्बन्ध 232
साम्राज्य विस्तार 233
धर्म 233
साहित्य संरक्षण 233

कुमारपाल (ल. 1143-1172 ई.) 234
दिग्विजय 234
साम्राज्य विस्तार 237
धर्म 238
अजयपाल (ल. 1173-1176 ई.) 239
मूलराज द्वितीय (ल. 1176-1178 ई.) 239
भीम द्वितीय (ल. 1178-1241 ई.) 240
पृथ्वीराज तृतीय के संघर्ष 240
कुतुबुद्दीन का आक्रमण 240
परमारों का आक्रमण 240
यादवों का आक्रमण 240
चालुक्य सत्ता का अन्त 241

अध्याय-10

धारा के परमार 242-259
ले. बैजनाथ पुरी तथा
ताराकिंत जयनारायण असोपा द्वारा

*परमारों की उत्पत्ति 242
परमार वंश का संस्थापक 247
प्रथम नरेश उपेन्द्र (ल. 790-818 ई.) 247
बैरिसिंह (ल. 818-843 ई.) 248
सीयक प्रथम (ल. 843-868 ई.) 248
वाक्पति प्रथम (ल. 893-918 ई.) 248
बैरिसिंह द्वितीय (ल. 919-945 ई.) 249
हर्ष (ल. 945-973 ई.) 249
मुंज (ल. 974-994 ई.) 250
युद्ध और विजयें 251
साहित्यिक साधना 252
उत्तराधिकारी 253
भोज (ल. 1011-1055 ई.) 255
राज्यारोहण की तिथि 255
भोज की उपलब्धियाँ 256
कर्नाट से युद्ध 256
उत्तराधिकारी 258

अध्याय-13

उत्तरी भारत में कला का विकास 294-315
ले. शिवकुमार गुप्त

पूर्व मध्यकालीन युग 294
मन्दिर वास्तुकला 295
उड़ीसा : भुवनेश्वर के मन्दिर 296
अवशिष्ट मन्दिर 297
तल विन्यास 297
उर्ध्व रेखीय सार 297
अलंकरण 298
मध्यभारत : खजुराहो के मन्दिर 299
अवशिष्ट मन्दिर 301
तल विन्यास 301
उर्ध्व रेखीय प्रसार 301
राजस्थान : आबू के मन्दिर 303
दुर्गवास्तु कला 305
चित्तौड़गढ़ 307
कुम्भलगढ़ 308
रणथम्भौर दुर्ग 309
मूर्तिकला का विकास 309
पाल चित्रकला 315

परिशिष्ट

राजपूतों की उत्पत्ति की समस्या 316-328
ले. जयनारायण असोपा

राजपूत वंश 316
विदेशी उत्पत्ति का सिद्धान्त 316
सूर्य तथा चन्द्र कुल सम्बन्ध 318
अग्नि से उत्पत्ति का सिद्धान्त 321
'राजपूत' शब्द का अर्थ 325

अध्याय-11

त्रिपुरी के कल्चुरी 260-279
ले. विशुद्धानन्द पाठक

उत्पत्ति 260
डाहल के कलचुरी 262
प्रथम कोक्कल 263
द्वितीय शंकरगण (ल. 890-910 ई.) 264
प्रथम युवराज (ल. 915-945 ई.) 264
द्वितीय लक्ष्मणराज (ल. 945-970 ई.) 265
तृतीय शंकरगण 266
गांगेय देव विक्रमादित्य (ल. 1015-1040 ई.) 266
कर्ण (ल. 1041-1072 ई.) 270
कर्ण की विजयें 270
कलचुरियों का चरमोत्कर्ष 274
कलचुरियों का पतन 277

अध्याय-12

भूमि राजस्व व्यवस्था 280-293
ले. लल्लनजी गोपाल

अभिलेखों में कर 280
भाग भोगकर 281
भागभोग 281
हिरण्य 283
उद्रंग उपरिकर 283
हलकर 283
गोकर 284
खल भिक्षा 284
बलदी 285
घाणक कर 285
आय कर 285
प्रवणिकर 286
मार्ग कर 287
क्रय-विक्रय कर 288
दशबन्ध 288
कुमार गादिआणक 289
तुरुष्क दण्ड 292
कर मुक्ति 293